Participation in National Workshop

By Students of Hindi Department

10 students from Philo Hindi Club, Department of Hindi, St. Philomena's College participated in the National level Workshop on ***Bal Chaupal*** organized by ***Hindi Ki Gunj***, New Delhi, on **November 22, 2020**, from 4 to 6 pm on the platform Google Meet. Syeda Saniya, Nisha M, Wafa Mehareen, Saihasama, Arshad Khan, Afra Sadiya, Noorain Fathima, Umme Hani. S, UmraTabassum, Priya are the students who participated and got participation certificates.

Wafa Mehreen, the final-year student of St. Philomena's College (Autonomous), Mysore, in her poem, compared life with the Journey by train. Nisha. M, the second-year student of the college defined the relationship of father and son very well through her short story. Resource persons and all the dignitaries appreciated both the compositions. The convener of the program, Shri Narendra Singh Nihar Ji, provided a platform to children interested in Hindi from various places; like Haldwani, Bijnor, Mysore, Delhi, Noida, etc. and also gave guidance and encouragement for creative writing in Hindi. The program began with Saraswati Vandana in the melodious tone of Miss. Lakshita and Miss. Garima from Haldwani. Shri Yashwant Jain, Member of National Commission for Protection of Child Rights, appreciated the celebrations and inaugurated the event. In the series of distinguished speakers, Dr. Divik Ramesh described children's literature as literature that is meant for all, that is, everyone can hear and read it. He encouraged the students to write Hindi language and said that nowadays children are writing very well and we too get to learn something new from them. Children's enthusiasm doubled with his blessing. Program convener Shri Narendra Singh Niharled the program forward by reading "Trees with us", part of a poem by Divik. The program progressed in the efficient operation of Nihar and Dr. Mamta Shrivastava. The programme ended with a proposal of vote of Thanks.

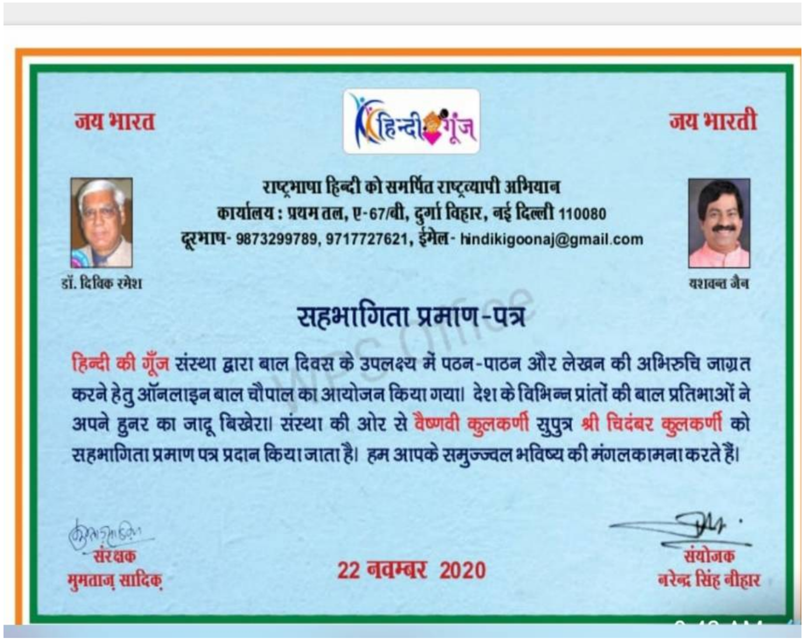
जय भारत

हिन्दी गूँज

जय भारती

राष्ट्रभाषा हिन्दी को समर्पित राष्ट्रव्यापी अभियान
कार्यालय : प्रथम तल, ए-67/बी, दुर्गा विहार, नई दिल्ली 110080
दूरभाष- 9873299789, 9717727621, ईमेल- hindikigoonaj@gmail.com

डॉ. दिविक रमेश

यशवन्त जैन

सहभागिता प्रमाण-पत्र

हिन्दी की गूँज संस्था द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष्य में पठन-पाठन और लेखन की अभिरुचि जाग्रत करने हेतु ऑनलाइन बाल चौपाल का आयोजन किया गया। देश के विभिन्न प्रांतों की बाल प्रतिभाओं ने अपने हुनर का जादू बिखेरा। संस्था की ओर से वैष्णवी कुलकर्णी सुपुत्र श्री चिदंबर कुलकर्णी को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। हम आपके समुज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हैं।

संरक्षक
मुमताज़ सादिक़

22 नवम्बर 2020

संयोजक
नरेन्द्र सिंह नीहार

लघुकथा- मूर्थिकार

-निशा.एम

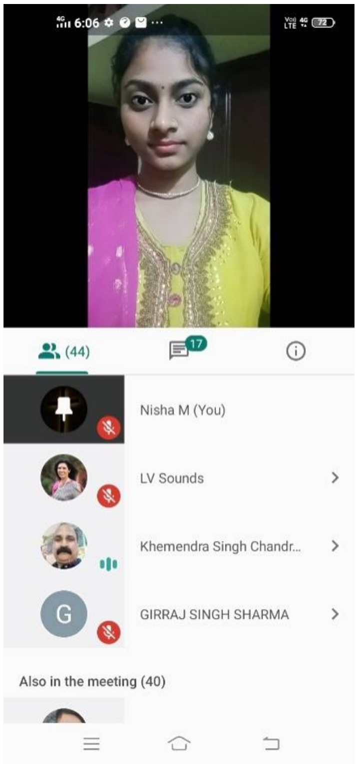

लघुकाथा – मूरर्तीकारइ

निशा. एम

एकगाँवमेंघनश्यामनामकाएकमूर्तीकाररहताथा।वोकाफीअच्छीमूर्तीयाँबनाताथाऔरइसकामसेवहअच्छीघनराशीकमालेताथा।उसकाएकबेटाथाजिसकानामसुरेशथा।उसबच्चेनेबचपनसेहीमूर्तियाँबनानाशुरुकियाथा।वहबहुतअच्छीमूर्तियाँबनाताथाऔरघनश्यामथेदेखकरबहुतखुशथा।परन्तुजबभीसुरेशकोईनईमूर्तीबनाताथाउस कापिताहरबारकोईनकोईकमीनिकालदेताथा।बेटासुरेशभीबिनकुछकहेचुपचापऔरअच्छेसेमूर्तीबनानेलगजाताथा।बार-बारपिताद्वाराकमीनिकालनातथासुरेशकाउनकमीयोंपरअमलकरनेसेसुरेशकोमूर्तीयाँबहुतअच्छीबननेलगी।एकवक्तऐसा आगयाजबसुरेशकीमूर्तीयाँअपनेपितासेभीअच्छीबननेलगीऔरउसकीमूर्तीयोंकोज्यादादा ममिलनेलगा।

इतनीसफलताकेबादभीजबधनश्यामअपनेबेटेकीमूर्तीयोंमेंकमीनिकालतातोयहबातअबसुरेशकोपसंदनहींआती।अबउसकेसब्रकाबाँधटूटगयाऔरउसनेअपनेपितासेकहाकिआपतोऐसेबोलरहेहोजैसेआपबहुतबढेमूर्तीकारहो, यादरखिएकिमेरीमूर्तीयोंकीकीमतआपकीमूर्तीयोंसेज्यादाहैतोऐसेमेंआपमेरीमूर्तीयोंमे मकमीनिकालेथेआपकोशिभानहींदेता।मुझेनहींलगताकिअबमुझेआपकीसलाहकीजरूरतहै।

यहसुननेकेबादपिताधनश्यामनेअपनेबेटेकोसलाहदेनातथाउसकीमूर्तिय़ोंमेंकमीनिकालनाबन्दकरदिया।

कुछमहीनोंकेलिएबेटाबहुतखुशरहापरअबउसनेएहसासकियाकिलोगउसकीमूर्तीय़ोंकीतारीफतथाकीमतपहलेकीतुलनामेंकमदेरहेथे।उसकीमूर्तीयोंकीचमकअबबाजारमेंकमहोनेलगी।

सुरेशकोकुछसमझनहींआयाकियेक्याहुआ।फिरवोअपनीसमस्यालेकरअपनेपिताकेपासपहुंचातोपितानेपूरीकहानीसुनीफिरकहा : “ किमुझेपताथाकिऐसाभीएकदिनआनेवालाहै।जबपहलेसेजानतेथे, तोआपनेमुझेसमझायाक्यूँनहीं , पितानेजवाबदियाक्योंकितुमसमझनानहींचाहतेथे।

मैंजानताहूँ,

तुमबहुतअच्छीमूर्तीबनातेहोपरन्तुजबमेंतुम्हारीमूर्तीय़ोंमेंकमीनिकालनाथातोतुमअपनेमूर्तीयोंसेसंतुष्टनहींहोतेथेऔरतुमखुदकोऔरबेहतरबनानेकीकोशिशमेंलगेरहतेथेऔरवहकोशिशहीतुम्हारीकामयाबीथीऔरजिसदिनतुमअपनेआपसेसंतुष्टहोगए, तुम्हारीकामयाबीभीउसिदिनरुकगई।

इसलघुकथाकानैतिकयेहैं: -

जिंदगीमेंअपनेकामसेअसंतुष्टहोनासीखलो, तुमबेहतरसेबेहतरहोजाओगे।

जिंदगीएकरैलगाडीहै।

- वफामेहरीन

जिंदगी एक रेल गाडी है।

जिंदगी एक रेल गाडी है और नया साल एक नया स्टेशन
ये जिंदगी का सफर रेल गाडी जैसा है
जो एकबार शुरु हो जाए तो बस चलता ही रहता है
न किसी को रोकने से रुकता है, न किसी के चाहने से
यहाँ न किसी की जिद चलती है और न ही ये सफर रुकता है ।
न किसी के बहाने बनाने से, न किसी के एतराज करने से
ये जिंदगी एक रेलगाडी की तरह बस चलती ही रहती है ।

जैसे हमारी उम्र हर साल बढती है, वैसे ही इस रेल गाडी के स्टेशन बढते है
जहा कुछ नये लोग, नयी खुशियाँ मिलती है
और कुछ चीजे और लोग पीछे छूट जाते है
मानो उनका स्टेशन आया और वो उतर गये ।
वो अपना सामान तो साथ ले गए परन्तु
अब किसी के जाने से कहा कुछ रुक जाता है, बस चलता जाता है ।

हमारी जिंदगी का सफर भी इस रेलगाडी की ही है
जो बस चलती ही रहती है और अपनी मंजिल पर ही रुकती है
इसमे सफर करने वाले यात्री रोजाना जिंदगी में मिलनेवाले , कुछ लोग जैसे है,
कुछ अंत तक साथ चलते है तो
कुछ थोडे वक्त बाद साथ छोड जाते है
कुछ लोग इतने खास हो जाते है कि
उनके उतरने के बाद उनकी बस यादे और बाते रह जाती है
जिनमें से कुछ हमारे पास है और कुछ बस बातों में ।

लेकिन इस सफर से एक बात सीखने को मिली जिसका जाना तय है
वो चला ही जाता है, चाहे वो सफर रेलगाडी का हो या जिंदगी का
न वक्त रुकता है और न ही ये सफर
इस सफर को आप किस तरह बिताना चाहते
खुशी होकर , दुखी होकर, उदास, परेशान... ये आप्के हाथों में है ।
आपके सफर में आये कुछ ऎसे लोगों की और जरूर सथ रखना
जिन्हें आपसे भूतलब का रिश्ता नहीं बल्कि आपके रिश्ते से मतलबहो |

6 हरिद्वार, सोमवार 23 नवम्बर, 2020 प्रयाण

ऑनलाईन बाल चौपाल कार्यक्रम का आयोजन

बिजनौर/हल्दौर (प्रयाण)। हिंदी की गूंज संस्था के तत्वाधान में ऑनलाइन बाल चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विविध राज्यों उत्तर प्रदेश (बिजनौर, नोएडा), उत्तराखंड (हल्द्वानी), कर्नाटक (मैसूर), दिल्ली आदि से साहित्यकारों ने हिंदी में रुचि रखने वाले बच्चों को हिंदी में रचनात्मक लेखन हेतु मार्गदर्शन और प्रोत्साहन किया। नौनिहालों ने काव्यपाठ कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम से जुड़े दिव्यांग बच्चों का सभी ने उत्साहवर्धन किया।

हिन्दी की गूंज संस्था द्वारा रविवार की शाम आयोजित ऑनलाइन बाल चौपाल कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की हल्द्वानी शाखा से लक्षिता व गरिमा के मधुर कंठस्वर में सरस्वती वंदना से हुआ। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्रीयुत यशवंत जैन ने अपने शुभकामना संदेश में देश की भावी पीढ़ी में हिंदी के संस्कार और रुचि उत्पन्न करने वाले इस कार्यक्रम के आयोजन की प्रशंसा की। विशिष्ट वक्ता डा.दिविक रमेश ने बाल साहित्य को ऐसा साहित्य बताया जिसे सब सुन और पढ़ सकते है। उन्होंने छात्रों को हिंदी भाषा के लेखन के लिए प्रेरित करते कहा कि आजकल बच्चे बहुत अच्छा लिख रहे है और हमें भी उनसे कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है। कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र सिंह नीहार ने बच्चों के भारी बस्ते पर रोचक रचना प्रस्तुत की तथा लघुकथा लेखन हेतु महत्वपूर्ण टिप्स दिये। बाल प्रतिभा राम कुमार पांडेय ने साथी छात्रों को शब्दकोश का अर्थ बताते हुए हिंदी का अच्छा साहित्य पढ़ने व समाचार पत्र पढ़ने पर बल दिया। इंजी. आशा शर्मा ने किसान और चिड़ियों की एक लघुकथा सुनाई। यह भी बताया कि किसी भी कहानी के पात्र हमारे आसपास और रोजमर्रा के जीवन में ही होते है। आवश्यकता है उस नजर की जो हमें उन्हें पहचान कर लेखन के लिए प्रेरित करती है। शादाब आलम व वर्णिका चौहान ने मनोरंजक कविताएँ प्रस्तुत की। हैरिस खान हल्दौर ने संगीतमय देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। डा. उमेश चंद्र सिरसवारी ने बच्चों को हिन्दी विधाओं की जानकारी दी। श्रवण शुक्ला ने दिल्ली सरकार द्वारा हैप्पीनेस क्लास की योजना में हिंदी साहित्य की कहानियों की अहम भूमिका बताई।

कार्यक्रम में हर आयु वर्ग के बाल साहित्यकारों अंशुमान गौतम, अर्णव सिंह जैतरा धामपुर, ध्याना ग्रोवर, दिशा ग्रोवर दिल्ली, अरुणिमा नगीले राजस्थान, वर्णिका चौहान यूपी, दृष्टि चौहान, राज श्रीवास्तव कर्नाटक से [illegible] नौवाल, मैसूर से वफा मेहरीन जैसी बाल प्रतिभाओं ने [illegible] अपनी रचनाओं से भावविभोर कर दिया।

किसी ने जीवन को रेलगाड़ी बताया तो किसी ने सर्दी के स्वागत में पूरे जंगल को ही तैनात कर दिया। हैरिस खान ने अपनी संगीतात्मक प्रस्तुति द्वारा स्वच्छ भारत का संदेश [illegible] मैसूर से निशा ने अपनी लघु कथा सुनाई। गिरीश सिंह शर्मा ने कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए बच्चों के लेखन को संग्रहित करने का सुझाव दिया। लता नोवेल व खेमेंद्र सिंह ने उपस्थित सभी वक्ताओं और बाल साहित्यकारों का धन्यवाद दिया। नरेन्द्र नीहार व ममता श्रीवास्तव ने कुशल संचालन किया। तरुणा पुंडीर, कामेंद्र सिंह चंद्रावत, संजय सिंह, डॉ पूर्णिमा, मीनाक्षी पुरी, सुभाष कुमार, [illegible] राजपूत, विकास सिंह, रोशन कुमार, रवि सिंह, वैष्णवी, धर्मराज पाल आदि सहित अनेक बच्चे, शिक्षक व लेखक रहे।

wafa mahareen, mysore

Nisha , Mysore

Dr.Poornima, Mysore

At Newspaper Prayaan, Haridwaar, 23rd November 2020

24 Nov Haryana...

नरेंद्र सिंह नीहार ने बच्चों के भारी बस्ते पर रोचक रचना प्रस्तुत की

» आजकल बच्चे बहुत अच्छा लिख रहे हैं और हमें भी उनसे कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है : डॉ दिविक रमेश

नई दिल्ली। देश की अग्रणी साहित्यिक ंस्था हिंदी की गूँज के तत्वाधान में आयोजित ऑनलाइन बाल चौपाल में साहित्यकारों ने श के अलग-अलग राज्यों से जुड़े बच्चों ो हिंदी में रचनात्मक लेखन हेतु मार्गदर्शन िया। बाल कवियों ने अपनी काव्यात्मक स्तुति से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम । जुड़े दिव्यांग बच्चों का सभी ने उत्साहवर्धन िया । हिन्दी की गूँज संस्था द्वारा रविवार ी शाम आयोजित ऑनलाइन बाल चौपाल ा शुभारंभ संगीतमय सरस्वती वंदना (क्षिता व गरिमा हल्द्वानी) से हुआ। राष्ट्रीय ाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य शवंत जैन ने बच्चों में हिंदी के रुचि व संस्कार त्पन्न करने वाले इस कार्यक्रम की की प्रशंसा ी। विशिष्ट वक्ता डॉ दिविक रमेश ने हिंदी ाषा- लेखन हेतु प्रेरित करते कहा कि आजकल च्चे बहुत अच्छा लिख रहे हैं और हमें भी नसे कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है। ार्यक्रम संयोजक नरेंद्र सिंह नीहार ने बच्चों भारी बस्ते पर रोचक रचना प्रस्तुत की तथा घुकथा लेखन हेतु महत्वपूर्ण टिप्स बताये। जी. आशा शर्मा ने लघुकथा सुनाई। डॉ उमेश ंद्र सिरसवारी ने हिन्दी विधाओं से अवगत राया। श्रवण शुक्ला, तरुणा पुंडीर, लता नोवाल, खेमेंद्र सिंह, रमेश गंगेले आदि ने काव्यात्मक प्रस्तुति के साथ बच्चों का मार्गदर्शन किया। शादाब आलम व वर्णिका चौहान हल्दौर ने मनोरंजक कविताएँ प्रस्तुत की। हैरिस खान हल्दौर ने संगीतमय देशभक्ति गीत प्रस्तुत के साथ ही अंशुमान गौतम, अर्णव सिंह जैतरा धामपुर, ध्याना ग्रोवर, दिशा ग्रोवर दिल्ली, अरुणिमा गंगेले राजस्थान, दृष्टि चौहान, राज श्रीवास्तव कर्नाटक से अंशिका बरनवाल, आरिनी नोवाल, मैसूर से वफा मेहरीन, निशा आदि बाल प्रतिभाओं ने अपनी रचनाओं से मंत्रमुग्ध कर दिया।

Wafa Mehareen and Nisha from St.Philomena's college, Mysore

Newspaper Hariyanapradeep, 24th November 2020

बाल चौपाल में मनोरंजन कविता प्रस्तुत की वर्णिका चौहान ने

हल्दौर(पीयूष चौहान) हिंदी की गूंज संस्था के तत्वाधान में ऑनलाइन आयोजित बाल चौपाल में साहित्यकारों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े बच्चों को हिंदी में रचनात्मक लेखन हेतु मार्गदर्शन किया। बाल कवियों ने अपनी काव्यात्मक प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया।हिन्दी की गूँज संस्था द्वारा रविवार की शाम आयोजित ऑनलाइन बाल चौपाल का शुभारंभ संगीतमय सरस्वती वंदना (लक्षिता व गरिमा हल्द्वानी) से हुआ। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य यशवंत जैन ने बच्चों में हिंदी के रुचि व संस्कार उत्पन्न करने वाले इस कार्यक्रम की की प्रशंसा की। विशिष्ट वक्ता डॉ दिविक रमेश ने हिंदी भाषा-लेखन हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र सिंह नीहार ने बच्चों के भारी बस्ते पर रोचक रचना प्रस्तुत की तथा लघुकथा लेखन हेतु महत्वपूर्ण टिप्स बताये। इंजी. आशा शर्मा ने लघुकथा सुनाई। डॉ उमेश चंद सिरसवारी ने हिन्दी विधाओं से अवगत कराया। श्रवण शुक्ला, तरुणा पुंडीर, लता नोवाल, खेमेंद्र सिंह, रमेश गंगेले आदि ने काव्यात्मक प्रस्तुति के साथ बच्चों का मार्गदर्शन किया । शादाब आलम व वर्णिका चौहान हल्दौर ने मनोरंजक कविताएँ प्रस्तुत की। हैरिस खान हल्दौर ने संगीतमय देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। अंशुमान गौतम, अर्णव सिंह जैतरा धामपुर , ध्याना ग्रोवर, दिशा ग्रोवर दिल्ली, अरुणिमा गंगेले राजस्थान, दृष्टि चौहान, राज श्रीवास्तव कर्नाटक से अंशिका अग्रवाल, आदिती नोवाल, मैसूर से वफ़ा मेहरीन, निशा आदि बाल प्रतिभाओं ने अपनी रचनाओं से मंत्रमुग्ध कर दिया। गिरीश शर्मा ने कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए बच्चों के लेखन को सराहित करने का सुझाव दिया। मीडिया प्रभारी प्रमोद चौहान हल्दौर ने प्रतिभागियों के संदेशों को प्रसारित। नरेन्द्र नीहार व ममता श्रीवास्तव के कुशल संचालन [illegible] प्रमोद सिंह चंद्रावत, संजय सिंह, डॉ पूर्णिमा, [illegible] संदीप [illegible] सहित अनेक बच्चे , शिक्षक व लेखक रहे।

wafa mahareen and Nisha from St.Philomena's college, Mysore

Dr.Poornima

At Haldour Newspaper on 23rd Nov 2020

साहित्यिक संस्था हिन्दी की गूंज के तत्वावधान में

ऑन लाइन बाल चौपाल में कई राज्यों के बच्चों का साहित्यकारों ने किया मार्गदर्शन

from karnataka wafa mahareen and Nisha representing St.Philomena's college, Mysore

Dr.Poornima

At Indore News paper, Nov 24th 2020

मेरा बिजनौर
सांध्य दैनिक ग्रामीण सनसनी
24 नवम्बर 2020
3

हल्दौर से बाल चौपाल में मनोरंजन कविता प्रस्तुत की वर्णिका चौहान ने

हल्दौर संवाददाता (ग्रामीण सनसनी)। हिंदी की गूंज संस्था के तत्वाधान में ऑनलाइन आयोजित बाल चौपाल में साहित्यकारों ने देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े बच्चो को हिंदी में रचनात्मक लेखन हेतु मार्गदर्शन किया। बाल कवियों ने अपनी काव्यात्मक प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया।हिन्दी की गूँज संस्था द्वारा रविवार की शाम आयोजित ऑनलाइन बाल चौपाल का शुभारंभ संगीतमय सरस्वती वंदना (लक्षिता व गरिमा हल्द्वानी) से हुआ। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य यशवंत जैन ने बच्चों में हिंदी के रुचि व संस्कार उत्पन्न करने वाले इस कार्यक्रम की की प्रशंसा की।

विशिष्ट वक्ता डॉ दिविक रमेश ने हिंदी भाषा– लेखन हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र सिंह नीहार ने बच्चो के भारी बस्ते

पर रोचक रचना प्रस्तुत की तथा लघुकथा लेखन हेतु महत्वपूर्ण टिप्स बताये। इंजी. आशा शर्मा ने लघुकथा सुनाई। डॉ उमेश चंद्र सिरसवारी ने हिन्दी विधाओं से अवगत कराया। श्रवण शुक्ला, तरुणा पुंडीर, लता नोवाल, खेमेंद्र सिंह, रमेश गंगेले आदि ने काव्यात्मक प्रस्तुति के साथ बच्चों का मार्गदर्शन किया। शादाब आलम व वर्णिका चौहान हल्दौर ने मनोरंजक कविताएँ प्रस्तुत की। हैरिस खान हल्दौर ने संगीतमय देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। अंशुमान गौतम, अर्णव सिंह जैतरा धामपुर , ध्याना ग्रोवर, दिशा ग्रोवर दिल्ली, अरुणिमा गंगेले

राजस्थान, दृष्टि चौहान, राज श्रीवास्तव कर्नाटक से अंशिका बरनबाल, आरिनी नोवाल, मैसूर से वफा मेहरीन, निशा आदि बाल प्रतिभाओं ने अपनी रचनाओं से मंत्रमुग्ध कर दिया। गिर्राज शर्मा ने कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए बच्चों के लेखन को संग्रहित करने का सुझाव दिया। मीडिया प्रभारी प्रमोद चौहान हल्दौर ने प्रतिभागियों के संदेशों को प्रसारित। नरेन्द्र नीहार व ममता श्रीवास्तव के कुशल संचालन किया। कामेंद्र सिंह चंद्रावत, संजय सिंह, डॉ पूर्णिमा, मीनाक्षी पुरी, सुभाष कुमार, संदीप राजपूत, धर्मराज पाल आदि सहित अनेक बच्चे शिक्षक व लेखक रहे।

from Mysore Wafa Mahareen and Nisha
St.Philomena's college, Mysore

At Sandhya Dainik, Haldour, Nov 24th 2020